YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 14.08.2018

DAINIK BHASKAR

वाईएमसीए विश्वविद्यालय की टीम ने सहरावक गांव का दौरा किया

विद्यार्थियों के हितों के दृष्टिगत विवि भविष्य में गांवों के स्कूलों को मदद करेगा: प्रो दिनेश

फरीदाबाद | वाईएमसीए विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए गए गांवों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने तथा इन गांवों में होने वाले संभावित कार्यों के लिए कार्य योजना तैयार करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय की एक टीम ने सहरावक गांव का दौरा किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में ग्राम सभा भी हुई। इसमें सभी गांवों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दौरे पर गई टीम में डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. साक्षी कालरा, डॉ. शैलजा जैन, डॉ. राजेश अत्री, उमेश कुमार, डॉ. बिंदू मंगला, डॉ. भास्कर नागर आदि शामिल थे। विश्वविद्यालय का चयन मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने उन्नत भारत अभियान के तहत भागीदारी संस्थान के रूप में किया है।

इसके तहत विश्वविद्यालय द्वारा फरीदाबाद के पांच गांव अलीपुर शिकारगाह, सहरावक, त्रिलोकी खादर, ताजपुर तथा राजपुर कलां गोद लिए गए हैं। उन्नत भारत अभियान का उद्देश्य उच्चतर शिक्षा संस्थानों को ग्रामीणों के साथ मिलकर गांवों में विकास संबंधी चुनौतियों की पहचान कर गांवों के सतत विकास के लिए समाधान निकालने के लिए सक्षम बनाना है। टीम के सदस्यों ने इन गांवों के प्रधान तथा अन्य ग्रामीणों के साथ बातचीत की। इसमें उन्होंने विश्वविद्यालय की टीम को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। कुलपति ने आश्वासन दिया कि विद्यार्थियों के हितों के दृष्टिगत विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में भी गांवों के स्कूलों को इस तरह की सहायता दी जाएगी। कुलपति ने ग्रामीणों से विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम से जुड़ने का आह्वान किया। इसके तहत विश्वविद्यालय द्वारा डिजिटल उपकरणों तथा इंटरनेट पर काम करने का बुनियादी प्रशिक्षण दिया जाता है।

NEWS CLIPPING: 14.08.2018

DAINIK JAGRAN

डिजिटल साक्षरता से जुड़ें ग्रामीण : कुलपति

जासं, फरीदाबाद: वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए गांवों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने के लिए एक टीम ने गांव सहरावक का दौरा किया। इन गांवों होने वाले संभावित कार्यों के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। इस दौरान कुलपति प्रो.दिनेश कुमार की मौजूदगी में सभा आयोजित की गई।

गांवों के दौरे पर गई टीम के सदस्यों में डीन (अकादमिक) डॉ. विक्रम सिंह, संकाय सदस्य डॉ. साक्षी कालरा, डॉ.शैलजा जैन, डॉ. राजेश अत्री, उमेश कुमार, डॉ.बिंदु मंगला और डॉ.भास्कर नागर शामिल रहे। विश्वविद्यालय का चयन मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से उन्नत भारत अभियान के तहत भागीदारी संस्थान के रूप में किया गया है। विश्वविद्यालय की ओर से जिला फरीदाबाद के पांच गांव अलीपुर शिकारगाह, सहरावक, त्रिलोकी खादर, ताजपुर और राजपुर कलां गोद लिए गए हैं। टीम के सदस्यों ने इन गांवों के प्रधान एवं अन्य ग्रामीणों के साथ बातचीत की। जिसमें उन्होंने उत्साहजनक प्रतिक्रिया देते हुए विश्वविद्यालय टीम को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। कुलपति के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय की ओर से गांवों के स्कूलों को पांच कम्प्यूटर एवं 51 कुर्सियां सहायतार्थ प्रदान की गई। कुलपति ने ग्रामीणों से विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम से जुड़ने का आह्वान किया। जिससे कि वह सरकार की ई-सेवाओं का लाभ घर बैठे उठा सके। कुलपति ने स्कूल के परिसर में पौधरोपण भी किया गया।

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति दिनेश कुमार गांव सहरावक के राजकीय विद्यालय में पौधारोपण करते हुए कुलपति।

NEWS CLIPPING: 14.08.2018

HINDUSTAN

वाईएमसीए डिजिटल साक्षर करेगा

फैसला

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोद लिए गए गांवों में ग्रामीणों को डिजिटल साक्षर बनाने, यहां मौजूद सरकारी स्कूलों में मूलभूत सुविधाएं देने और कचरा प्रबंधन के लिए काम करेगा। संस्थान की टीम ने गांव सहरावक में सोमवार को बैठक के बाद ये फैसला लिया।

दरअसल, उन्नत भारत अभियान के तहत वाईएमसीए ने पांच गांवों अलीपुर शिकारगाह, सहरावक, त्रिलोकी खादर, ताजपुर तथा राजपुर कलां गोद लिए हैं। इन गांवों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने और संभावित कार्यों की योजना तैयार करने के लिए बैठक का दौर शुरू किया है। इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय की एक टीम सहरावक गांव पहुंची। मौके पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में ग्रामसभा की बैठक हुई।

अभियान

- गोद लिए गांवों में मूलभूत सुविधा देकर कचरा प्रबंधन भी होगा
- अभियान के तहत विश्वविद्यालय की एक टीम सहरावक गांव पहुंची

इस दौरान डीन (अकादमिक) डॉ. विक्रम सिंह, संकाय सदस्य डॉ. साक्षी कालरा, डॉ. शैलजा जैन, डॉ. राजेश अत्री, उमेश कुमार, डॉ. बिन्दू मंगला तथा डॉ. भास्कर नागर शामिल रहे। टीम ने गांव के प्रधान और ग्रामीणों संग बात कर साक्षरता एवं प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य व स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, कौशल विकास जैसे बिंदुओं पर काम करने की योजना बनाई।

गांववालों ने कहा कि स्ट्रीट लाइट, पेयजल सुविधा तथा सरकारी स्कूलों में ढांचागत सुविधाओं को लेकर भी काम करने की जरूरत है। मौके पर कुलपति के निर्देशानुसारएक स्कूलों को पांच कंप्यूटर और 51 कुर्सियां भी दी गई। कुलपति ने ग्रामीणों से विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम से जुड़ने का आह्वान किया और चल रहे कम्यूनिटी कोर्सों के बारे में बताया।

NEWS CLIPPING: 14.08.2018

PUNJAB KESARI

विश्वविद्यालय ने गांवों को कम्प्यूटर व कुर्सियां की भेंट

कुलपति ने ग्रामीणों से किया डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम से जुड़ने का आह्वान

फरीदाबादए 13 अगस्त (ब्यूरो): ईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्वविद्यालय ने उन्नत भारत अभियान अंतर्गत गोद लिये गये गांवों की स्तविक स्थिति का जायजा लेने तथा गांवों होने वाले संभावित कार्यों के ए कार्य योजना तैयार करने के उद्देश्य विश्वविद्यालय की एक टीम ने गांव हरावक का दौरा किया।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की स्थिति में ग्राम सभा भी की गई, समें सभी गांवों के प्रतिनिधियों ने स्सा लिया। गांवों के दौरे पर गई म के सदस्यों में डीन (अकादमिक) . विक्रम सिंह, संकाय सदस्य डॉ.

विश्वविद्यालय द्वारा गांव को भेंट की गई कुर्सियां।

साक्षी कालरा, डॉ. शैलजा जैन, डॉ. राजेश अत्री, डॉ. बिन्दू मंगला तथा डॉ. भास्कर नागर शामिल रहे। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय का चयन मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत भागीदारी संस्थान के रूप में किया गया है, जिसके तहत विश्वविद्यालय द्वारा जिला फरीदाबाद के 5 गांव अलीपुर शिकारगाह, सहरावक, त्रिलोकी खादर, ताजपुर तथा राजपुर कलां गोद लिये गये हैं। अभियान का उद्देश्य उच्चतर शिक्षा संस्थानों को ग्रामीणों के साथ मिलकर गांवों में विकास संबंधी चुनौतियों की पहचान करने तथा इन गांवों के सतत विकास के लिए समाधान निकालने के लिए सक्षम बनाना है। टीम के सदस ने ग्रामीणों के साथ बातचीत की, जिस उन्होंने उत्साह जनक प्रतिक्रिया देते ह विश्वविद्यालय टीम को पूर्ण सहय देने का आश्वासन दिया। विश्वविद्याल टीम ने अपने दौरे के दौरान गांवों साक्षरता एवं प्राथमिक शिक्षा स्वास व स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, जै महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान की जिस पर कार्य किया जा सकता है

ग्रामीणों ने स्कूलों में ढांचाग सुविधाओं के आभाव संबंधी समस्या से टीम को अवगत करवाया। जि पर कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा गां के स्कूलों को 5 कम्प्यूटर तथा कुर्सियां सहायतार्थ प्रदान की ग कुलपति ने आश्वासन दिया विद्यार्थियों के हितों के दृष्टि विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में भी गां के स्कूलों को इस तरह की सहाय दी जायेगी।

पंजाब केसरी
ई-पेपर
Tue, 14 August 2018
epaper.punjabkesari.in/c/31228268

NEWS CLIPPING: 14.08.2018

NAVBHARAT TIMES

गांवों का जायजा लिया

प्रस, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी ने गोद लिए गए गांवों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने व गांव में होने वाले संभावित कार्यों के लिए यूनिवर्सिटी की एक टीम ने गांव सहरावक का दौरा किया। गांव को उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिया गया है। यूनिवर्सिटी ने फरीदाबाद के पांच गांव अलीपुर शिकारगाह, सहरावक, त्रिलोकी खादर, ताजपुर तथा राजपुर कलां गोद लिए हुए है। गांवों के स्कूलों को पांच कंप्यूटर व 51 कुर्सियां प्रदान की गई।